

ਗੁਲ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਹ ਕੇ 357ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪਰ्व : ਸਦੈਵ ਪ੍ਰੇਰਣਾ ਦੇਤੇ ਰਹੇਂਗੇ ਗੁਲ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਹ ਕੇ ਉਪਦੇਸ਼

प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्तम मनाया जाता है। बघपन में गुरु गोबिंद सिंह जी को गोबिंद राय वे नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृंज, फारसी और अंग्रेजी भाषाएं सीखने के साथ गुरु गोबिंद सिंह जी ने घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महाराजा हासिल की थी। कठमीटी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की सक्षमता के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरु पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापन बने। अत्याचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी का वाक्य सवा लाख से छह लाख तक गोबिंद सिंह नाम धराऊं सैकड़ों वर्षों बाद आज भी प्रेरणा और हिम्मत देता है। उन्होंने समाज में फैलाए गए अद्वितीय अनुष्ठानों को समाप्त कर समाजता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निंदर रहने की भावना पैदा की।



लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

1

17 जनवरी को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्र पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत् को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। बचपन में गुरु गोबिंद सिंह जी को गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, ब्रज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ गुरु गोबिंद सिंह जी ने घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की थी। कश्मीरी पांडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरु पांडित की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खलसा पंथ के संस्थापक बने।

अत्याचार और अन्याय वे खिलाफ आवाज उठाने के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी का वाक्य सबा लारा से एक लड़ाऊं तांग गोबिंद सिंह जी धराऊं सैकड़ों वर्षों बाद आज १३० वर्षों के प्रेरणा और हिम्मत देता है। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रह की भावना पैदा की। शौर्य, साहस त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह को इतिहास में एक विलक्षण

के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। दरअसल कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उन्वेद दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें संत सिपाही भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी। ह्याविचित्र नाटक को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह दशम ग्रंथ का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरु जी ने हिमाचल के पोंटा साहिं में की थी।

कहा जाता है कि गुरु गोबिंद

A portrait of Guru Gobind Singh Ji, the tenth Sikh Guru. He is shown from the chest up, wearing a traditional orange turban with a gold-colored decorative band and a white cloth underneath. He has a full black beard and mustache. He is dressed in a purple robe over a white shirt. The background is a soft-focus yellow and blue gradient.

नी फतेह कहा जाता है। या जीने के पांच सिद्धांत हैं पंच ककार (केश, गोला, कंधा और कच्छा)। इद सिंह ने ही गुरु ग्रंथ समें खोंकों के स्थायी गुरु का निर्णय। सन् 1708 में उन्होंने नंदिङ में शिवर लगाया बल उन्हें लगा कि अब समय आ गया है, तब उन्होंने को ओदेश दिया कि साहिब ही आपके गुरु हैं। बार मुगलों को परास्त करने पुर साहिब में तो मुगलों की ओर और उनकी वीरता का अस बिखरा पड़ा है। गुरु चारों पुत्र अजीत सिंह, तो लोवरवर सिंह और जुझार लोंगों व

रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चम्पकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। नादेड़ में दो हमलावरों से लड़ते समय गुरु गोबिंद सिंह के सीने में दिल के ऊपर गहरी चोट लगी थी, जिसके कारण 18 अक्टूबर 1708 को नादेड़ में करीब 41 वर्ष की आयु में वे वीरगति को प्राप्त हुए थे।

ਖੜਕ: ਨਾਟਕ ਪ੍ਰਗਤੀ ਅਤੇ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ

ਹਰਿਸ਼ਕਰ ਵਾਸ

कांग्रेस अध्यक्ष महान् हो रहे हैं बल्लिवृ

के जरीवाल से लेकर उद्घव टाकरे सभी से सीटों के बैंटवरे पर बात आगे बढ़ रही है। माना जा सकता है कि खड़े यदि इंडियाइ के अध्यक्ष बने तो विपक्ष 2024 का लोकसभा चुनाव कुछ राज्यों में कायरे से लड़ेगा। मैं विपक्ष की जीत की उम्मीद में नहीं हूँ। लेकिन देश, राजनीति और लोकतंत्र से सरोकारों में मेरी चाहना है कि विपक्ष मजबूती से लड़े और उसे अच्छी संख्या में सीटें मिलें ताकि वह जिंदा रहे और लोकतंत्र सुरक्षित बने। भारत राष्ट्र-राज्य की एकता और अस्तित्व के लिए जरूरी है, जो मौजूदा सत्ता याकि नन्दें मोदी व भाजपा की रीति-नीति के विरोधियों का लोकतंत्र में विश्वास कायम रहे। यदि देश में पचास-पचास प्रतिशत आबादी भाजपा के खिलाफ वोट देती है तो जरूरी है कि इन वोटों, समुदायों की आवाज, इनका प्रतिनिधित्व विधायिका में सम्पानजनक बना रहे। उस नाते 2024 का चुनाव खत्म होते विपक्ष के लिए आर-पार का है। ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, शरद पवार, अरविंद के जरीवाल से अखिलेश यादव, मायावती, लेपट फ्रंट सबके लिए यह चुनाव अखिरी है। यदि लोकसभा चुनाव में इनका पूरा सफाया (इसकी आंशका है) हुआ तो इन सभी विरोधी नेताओं का सियासी वजूद मिटेगा। भाजपा का सीट लक्ष्य चार सौ पार का है। और ऐसा होना बंगल, पंजाब, दिल्ली, यूपी, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र में भाजपा की छपर फाड़ जीत से ही संभव है। इसलिए कांग्रेस और उसके अध्यक्ष हासिल की थी। कश्मीरी पडितों के तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह को इतिहास में एक विलक्षण कहा जाता है कि गुरु गोबिंद का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरु जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी।

कहा जाता है कि गुरु गोबिंद से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। चोट लगी थी, जिसके कारण 18 अक्टूबर 1708 को नारेड में करीब 41 वर्ष की आयु में वे वीरगति को प्राप्त हुए थे।

ਦਾਤੁਲ ਫਾ ਪਾਨੀ ਦ ਦਣਾ ਪਿਪਲਾ ਦਲਾ ਫਾ ਸਾਡਾ

जरिए उनके बच्चों के भविष्य की बात अब लोगों के दिमाग में पहुंच रही है तो जाहिर है यात्रा विपक्ष के दिमाग के जाल को भी साफ करेगी। मामूली बात नहीं जो अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। भरोसा दिया कि सीट शेयरिंग में कोई परेशानी नहीं होगी। क्यों? इसे समझना मुश्किल नहीं है। उन्हें हाल में इंडी कांग्रेसी सम्मन आया है। उनके पास बीच का कोई रास्ता नहीं है। या तो मोदी के सामने समर्पण कर दें या खड़हो, राहुल गांधी के साथ और दूसरे विपक्षी नेताओं उद्घव टाकरे, लालू यादव, तेजस्वी, स्टालिन जैसे नेताओं वे साथ मिलकर मोदी से चुनावी लड़ाई लड़े। केजरीवाल को भी समझ में आ गया है कि मोदी से अगर अभी अभय दाना मिला भीतों वह स्थाई नहीं होगा। लोकसभा चुनाव के बाद तो और बड़ा हमला होगा तीसरी बार जीते हुए नरेंद्र मोदी का मुकाबला कोई नहीं कर पाएगा। खुद भाजपा और संघभी नहीं। मगर अभी यह बात ममता बनर्जी और अखिलेश यादव को पूरी तरह समझ में नहीं आ रही है। उन्हें अपने बंगाल और उत्तर प्रदेश की ताकत पर बड़ा धमंड है।



यात्रा जैसे नेता अंग साथ मिलकर मोटी से चुनावी लड़ाई के उत्तीर्णाल को भी समर्पित किया

जाएगा ! अभी जो ममता या अखिलेश बार बार कांग्रेस सेपूछने, उसे हैस्यत बतलाने के लिए कह रहे हैं कि आप बंगाल या यूपी में हो क्या ? इसलिए यात्रा दौरान वे यह महसूस करेंगे तो समझ आएंगा कि देश में यह जो डर खत्म हो रहा है, लोग भावनाओं के जाल से निकलना चाह रहे हैं और राहुल की न्याय की बात, रोजगार की बात, महंगाई की बात, सरकारीशक्षा के जरिए उनके बच्चों के भविष्य की बात अब लोगों के दिमाग मेंहुंच रही है तो जाहिर है यात्रा विषय के दिमाग के जालों को भी सफाकरेगी।

मामूली बात नहीं जो अरविंद के जरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। भरोसा दिया कि सीट शेयरिंग में कोई परेशानी नहीं होगी। क्यों ? इसे समझना मुश्किल नहीं है। उन्हे हाल में ईडी काचौथा सम्मन आया है। उनके पास बीच का कोई रास्ता नहीं है। या तो मोदी के सामने समर्पण कर दें या खड़हे, राहुल गांधी के साथ और दूसरे विषयक नेताओं उद्घव ठाकरे, लालू यादव,

अध्यय दान मिला भीतो वह स्थाई नहीं होगा। लोकसभा चुनाव के बाद तो और बड़ा हमला होगा तीसरी बार जीते हुए नंदेंग्र मोदी का मुकाबला कोई नहीं कर पाएगा। खुद भाजपा और संघभी नहीं।

मगर अभी यह बात ममता बनर्जी और अखिलेश यादव कोपूरी तरह समझ में नहीं आ रही है उन्हें अपने बंगाल और उत्तर प्रदेश की ताकत पर बड़ा धमंड है। मगर दोनों यह भूल रहे हैंकि लोकसभा जीतने के बाद फिर जो पश्चिम बंगाल और उत्तरप्रदेश के चुनावों में मोदीजी लड़ेंगे तो उन दोनों दलों का नामों निशान भी मिट जाएगा।

विषयक में सभी अनुभवी नेता हैं। इसलिए ये क्या यह नहीं जानते कि हैट ट्रिक के बाद मोदीजी किसतरह व्यवहार करेंगे ? चक्रवर्ती स्प्राइट की तरह। कोई विषयक रहना ही नहींचाहिए। और अगर विषयक में रहने का शौक ही है तो मायावती की तरह चुपचाप बैठे रहिए।

मायवती ने सोमवार को अपने जन्म दिन घोषणा कर दी है कि उनकी पार्टी लोकसभा काचूनाव के जोपूर्व मुख्यमंत्री हैं उनमें सबसे युवा अखिलेश यादव हैं। उनके पास राजनीति करने का बहुत समय पड़ा हुआ है। जिस पीढ़ी की वह बात करते हैं उसका बड़ाहिस्सा उनके पास है। पिछड़ा मुख्यतः उनकी अपनी जाति के यादव, दलित में मायवती की जाति को छोड़कर बाकी दलितों का एक हिस्सा और अल्पसंख्यकों का भी एक बड़ा हिस्सा।

आखिर 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्हें इतना बोट ऐसे हीनहीं मिला। सपा बनने के बाद से पहली बार उसने 32 प्रतिशत बोट निकाला है। 1993 में मुलायम सिंह यादव ने पार्टी बनाई थी और उस बत 18 प्रतिशत बोट पायाथा। जो अब बढ़ते-बढ़ते 32 प्रतिशत तक पहुंच गया है। और यहां अखिलेश यादव के लिए यह बात समझने की है कि यह बोट उन्हें तभी तक मिलेगा और बढ़ भों सकत है जब तक वे ताकतवर दिखेंगे, मुकाबले में दिखेंगे। जिस दिन मायवतीजैसे वे कमजोर दिखे उनका कहतो यह रही हैं कि मेरे एक मात्र उत्तराधिकारी आकाश आनंद। मगर उसेराजनीतिक रूप से क्या मिलेगा, कहना मुश्किल है। बाकी पैसों, वैसों समाजवादी पार्टी पर खुब हमले किए। मायवती, बीजेपी को खुशकरने के लिए हर उस आदमी पर हमले करती हैं जिससे बीजेपी को चुनौती मिलनेकी संभवना होती है। लैकिन अखिलेश के लिए मायवती पहले नंबर की शत्रु नहीं हैं। उन्हें तो भाजपा से ही मुकाबला करना होगा। और इस समय बहुत मजबूत होगी भाजपा को हिलाने के लिए उन्हें कांग्रेस और दूसरे विषयकी दलों कीपूरी मदद चाहिए। वे मायवती नहीं बन सकते। मायवती अपनी पारी खेल चुकीहैं। भीतरीजे को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है। मगर कोई पूछे कि आपउत्तराधिकार में छोड़कर यूपी में क्या बचाए हुए हैं ? केवल एक विधायक ! बाकी लोकसभामें उनके सपा के साथ गठबंधन में लड़ने से दस जीते थे वह अब भाजपा के साथअप्रत्यक्ष गठबंधन में कितने रह जाएंगे, कोई नहीं जानता। तो मायवती कहतो यह रही हैं कि मेरे एक मात्र उत्तराधिकारी आकाश आनंद। मगर उसेराजनीतिक रूप से क्या मिलेगा, अति पिछड़ी, दलितों में बैठ गया डर भी था। राहुल इस बार सबसेज्यादा मस्य यूपी को ही दे रहे हैं। पूरे 11 नहीं हैं कि जिनकेद्वारा मायवती को उत्तराधिकारी बना देने के बाद दलितों ने उन्हे स्वीकारकर लिया था। खुद मायवती की स्वीकृति दलितों में कम होती चली जा रही है मुसलमानों में खत्म हो गई है। एक लोकसभा सदस्य अमरोहा के दानिश अली कोउन्होंने पार्टी से इसलिए निकाल दिया कि वे भाजपा के खिलाफ मुखर हो रहेथे। तब ऐसे में अल्पसंख्यक बोट का उनके साथ रहना मुश्किल है।

तो इन परिस्थितियों में अखिलेश यादव को फायदा ही फायदा है। लैकिन अगर वे यूपीके सबसे बड़े विषयकी दल के नेता के रूप में भाजपा हराने के अलावा कुछ औरसोचेंगे जैसे कांग्रेस को दबाना तो वे अपना ही सबसे बड़ा नुकसान करेंगे।

राहुल गांधी की इस दूसरी यात्रा का बड़ा फायदा यूपी में अखिलेश को भी मिलेगा यूपी में पिछला 2022 का विधानसभा चुनाव वे हारे तो इसकी प्रमुख वजह गरीब, पिछड़ी, अति पिछड़ी, दलितों में बैठ गया डर भी था। राहुल इस बार सबसेज्यादा दलों को मिलेगा। बशर्त की वेमायवती न बन जाएं।



प्रदाप कुमा

अक्षत और आमंत्रण पत्र पाकर ला
खुद को भायशाली समझ रहे हैं, ते
वर्हीं दूसरी ओर कोई शुद्ध धी पहुँच
रहा है, तो कोई विशाल अगरबत्त
बनाकर भेज रहा है। जिसे जो ब
पढ़ रहा है, वह अपना योगदान दे
में लगा है। राम मंदिर न्यास परिषद
इस पावन अवसर पर देश-विदेश वे
अनेक गणमान्यों को निमंत्रण भेज
है और अधिकांश लोग उस निमंत्रण
को पाकर खुद को भायशाली समझ
रहे हैं, तर्हीं उन्हें ते वा एपी वा

स्थिति भी है और लगभग यही हो होता है।
मोमवार 22 जनवरी 2024 को
श्री अमर शर्मा परिषद् द्वारा
हेलो की जगह जय श्री राम बोलना भी
आरंभ कर दिया है। न सिर्फ अयोध्या,
पूरे भारत के लोगों ने अपने दुकानों
पर भी यह शर्मा परिषद् द्वारा दिए
आमंत्रण को तुकरा दिया है। तुकरा ने
वाले वही लोग हैं, जिन्होंने न सिर्फ
हमारे आराध्य को सालों तक तंबू में
मरा रखा था। परिषद् द्वारा दिए गए

का सरकार गिराया तो किसी से
सेवकों पर गोलियां चलवा
सत्ता उनके हाथ से गई तब
तंबू का रासा खाक कर दिया गया।

रथ्या, बाल्क मारू निमाना म हमशा रोड़े अटकता। हद तो तब हो गई जब इन्हेंनी राम को काल्पनिक तक कह डाला और रामसे तु तोड़ने की तैयारी भी कर ली थी।

जो करना सुन्दर कर दिया को, मात्र वहीं बनाएंगे लेकिन तारीख नहीं बताएंगे। जबकि नई सताधारी पार्टी के मेनिफेस्टो में राम मंदिर तो शुरू से था और मंदिर वहीं बनाएंगे का नारा भी। आज राम जन्मभूमि मादर के उद्घाटन का साक्षी बनना हमारे भाग्यशाली होने का प्रतीक है, वहीं उसकी विधवा विलाप करने वाले अभयों को भी हम पहचान पा रहे हैं।

उनका उद्देश्य सिर्फ सनातनियों को अपमानित करना, अपने तथाकथित वोट बैंक को कायम रखना और एक खास वर्ग के तुष्टिकरण का था। कहते हैं कि सत्ता जिसके पास रहती है उसकी तूरी बोलती है। जब तक विरोधियों के हाथ सत्ता थी तो उन्होंने मंदिर का विरोध करने में कोई कमी नहीं देखी तभी वे अपने पालन-पोलन का भास्तव्य करने लगते हैं कि राम जी को भी सही राष्ट्राधिकारी आसाधिकारियों का इंतजार था, इसलिए उन्होंने बनवास की तरह ही तंबू में रहना स्वीकार कर लिया था। पूरा विपक्ष चीख रहा है कि सत्ताधिकारी पाठ्य क्यों सारा श्रेय ले रही है। तो भाई आपके पास तो कहीं अधिक अवसर औ समय था लेकिन आपने उसे नहीं देने दी तभी वे जो आमा का भास्तव्य करना चाहते हैं जो की शुद्ध सनातन के विरोधी हैं। आज वह खुद अप्रासारित हो गए हैं जो कल तक राम को काल्पनिक और अप्रासारित बता रहे थे। हमारे आराध्य के साथ छल करोगे तो भुगतना तो पड़ेगा ही ना। क्योंकि ... होइंगी जो राम रचि राखा मेरे ज्ञापड़ी के भाग्य अब खुल जायेगा या अन्यौं।

सेंसेक्स
73128.77 पर बंद
निपटी
22032.30 पर बंद

सोना
62,365
चांदी
72,423

ब्यापार

ऑक्सफेम की रिपोर्ट में दावा, 5 अरब लोगों की आमदनी घटी

► स्विटजरलैंड के दावों में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक शुरू ► एक दशक के अंदर ही दुनिया को पहला खरबपति मिल जाएगा

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के मुनाफे में 34 प्रतिशत का तगड़ा इजाफा, कमाई बढ़कर 5,851 करोड़ हुई



नई दिल्ली, एजेंसी। पब्लिक सेक्टर के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही के नकारात्मक लोगों के लिए बाज़ दिया है। बैंक के मुनाफे में शानदार वृद्धि हुई है और 34 प्रतिशत बढ़कर 1,036 करोड़ रुपए रहा। बता दें कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने पछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 775 करोड़ रुपए की मुनाफा कमाया था। ये और एक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कल इनकम बढ़कर 5,851 करोड़ रुपए हैं गई, जो पछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4,770 करोड़ रुपए थी। इस दौरान बैंक ने 5,171 करोड़ रुपए की व्याज आय अर्जित की, जबकि इसके बाद यही अवधि में यह 4,129 करोड़ रुपए थी। बैंक के सकल गैर-निष्यादित परिसंपत्ति को एक साल पहले के 2.94 प्रतिशत से घटकर ग्रास डेट 2.04 प्रतिशत करने में सक्षम रहा। इसी तरह शुद्ध एप्पोइंट या ड्रॉब कंज पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में 0.47 प्रतिशत से घटकर 0.22 प्रतिशत पर आ गया।

1 ट्रिलियन डॉलर मार्केट के पाली देसी फर्म 2032 तक! एचडीएफसी बैंक और रिलायंस मुख्य दावेदार



नई दिल्ली, एजेंसी। कोई पहली भारतीय कंपनी वर्ष 2032 तक बाजार पूँजीकरण के लिए से 1 लाख करोड़ डॉलर का आंकड़ा पार करने में सफल हो सकती है। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) को मुख्य दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। इस मुकाबा तक पहुंचने के लिए इन दो कंपनियों के शेयरों को अगले दशक तक सालाना कम से कम 20 प्रतिशत की दर से वृद्धि दर्ज करने की जरूरत होगी। आईसीआईसीआई सिक्युरिटीज का मानना है कि यदि भारत की जीडीपी वृद्धि बढ़कर सालाना 9 प्रतिशत पर पहुंचती है और कॉर्पोरेट मुकाबों के चंगे में सुधार आता है तो बाजार पूँजीकरण से जुड़ा यह लक्ष्य संभव है। आईसीआईसीआई सिक्युरिटीज के विशेषज्ञों ने विनोद कार्की और नीरज करनानी ने एक रिपोर्ट में कहा, 'हमारी गणना से संकेत मिलता है कि भारत का पहला 1 लाख करोड़ डॉलर एकपाल लाय वर्ष 2032 तक सकारात्मक है। वृद्धि परियोग 9 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के लक्ष्य के साथ सुचीबद्ध क्षेत्र में मजबूत कॉर्पोरेट मुकाबे (7 प्रतिशत लाभ-जीडीपी अनुपात) पर पहुंचने के अनुमान पर आधारित है'। इन विशेषज्ञों ने कहा है, 'एचडीएफसी बैंक 25 प्रतिशत की दर के साथ इस दिशा में बढ़ने वाला मजबूत शेयर है। आरआईएल की मुनाफा वृद्धि यदि 21 प्रतिशत पर रहती है तो वह भी इस लक्ष्य को छू सकता है, जबकि बाजार पाइनेस को 1 लाख करोड़ डॉलर एकप्रैय छूने के लिए अगले दशक के दौरान 40 प्रतिशत की अपनी पछली वृद्धि दर को बनाए रखना चाहिए।' इस वैश्विक तौर पर 1 लाख करोड़ डॉलर एकप्रैय लक्ष्य में सिर्फ 6 कंपनियों हैं और इनमें से एक अमेरिका में सुचीबद्ध है।

कच्चे तेल की कीमतों में रेकॉर्ड गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया में अमीर और गरीब के बीच का अंतर लगातार बढ़ रहा है। अमीर लगातार और ज्यादा रईस होते जा रहे हैं। अब वित्तीयों की दौलत बढ़ रही है। वहीं गरीबों की सख्ता भी बढ़ती जा रही है। लोगों की कमाई बढ़ती जा रही है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के दावों में 15 जनवरी से रु 100 हुए वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम को सालाना बैठक में जारी एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इस बैठक में जारी ऑक्सफेम की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि दुनिया के पांच सबसे रईस लोगों की दौलत 2020 के बाद से दोगुनी से ज्यादा हो गई है। और 34 प्रतिशत बढ़कर 1,036 करोड़ रुपए रहा। बता दें कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने पछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 775 करोड़ रुपए की मुनाफा कमाया था। ये और एक समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कल इनकम बढ़कर 5,851 करोड़ रुपए हैं गई, जो पछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4,770 करोड़ रुपए थी। इस दौरान बैंक ने 5,171 करोड़ रुपए की व्याज आय अर्जित की, जबकि इसके बाद यही अवधि में यह 4,129 करोड़ रुपए थी। बैंक के सकल गैर-निष्यादित परिसंपत्ति को एक साल पहले के 2.94 प्रतिशत से घटकर ग्रास डेट 2.04 प्रतिशत करने में सक्षम रहा। इसी तरह शुद्ध एप्पोइंट या ड्रॉब कंज पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में 0.47 प्रतिशत से घटकर 0.22 प्रतिशत पर आ गया।

► स्विटजरलैंड के दावों में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक शुरू

पांच अमीरों की संपत्ति हुई दोगुनी

दुनिया के पांच सबसे अमीर लोगों की संपत्ति 2020 के बाद से दोगुनी से अधिक हो गई है। वहीं विश्व का एक दशक में अपना पहला खरबपति मिल जाता है। आगे यह रझान जारी रहता है तो अपने 229 वर्षों तक गरीबी खत्म नहीं होगी। ऑक्सफैम कोर्स की सालाना बैठक में जारी रही है। अपने बैठक में यह दावा किया गया है कि विश्व के पांच सबसे रईस लोगों की दौलत 2020 के बाद से दोगुनी से ज्यादा हो गई है। लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।



पांच अमीरों की संपत्ति हुई दोगुनी

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक 5 अरब लोगों की आमदनी घटी है और गरीबों की संख्या बढ़ी है।

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव लुढ़कर 75 डॉलर प्रति बैरेल के रेट पर टेंडर कर रहे हैं। वहीं बैचमार्क बैरेल कर रहा है। इसके बाद से अब तक

सुमित पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

ब्रैंडस्लैम में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले 1989 के बाद पहले भारतीय



ओपन 2024 में 31वां सीड मिला है। वर्ल्ड रैंकिंग में 137वें नंबर के खिलाड़ी सुमित ने मॉलवार को टूर्नामेंट के पहले राउंड में दूनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी बुब्लिक को सीधे सेटों में हराया। 26 साल के नागल ने 2 घंटे 38 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में बुब्लिक पर 6-4, 6-2, 7-6 से जीत दी किया। 34 साल के बाद किसी ग्रैंड स्लैम में भारतीय में सिंगल्स खिलाड़ी पर यह पहली जीत है। इससे पहले, रमेश कृष्णन ने 1989 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में मैट्स विलेंडर को हराया था। बुब्लिक को ऑस्ट्रेलियन

टूर्नामेंट के आयोजक तय करते हैं।

सीड - बड़े टेनिस टूर्नामेंट में सीडिंग का इस्तेमाल किया जाता है। ग्रैंड स्लैम जैसे विलेंडन, यूएस ओपन, फैंच ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन में सीड मिलती है। सीड किसी खिलाड़ी की ओवरआल राउंड में ऑस्ट्रेलियाई एडब्ल्यूड विंटर को 6-

3, 6-2 से हराया था। वहीं फाइनल राउंड में स्लोवाकिया के एलेक्स मोल्कन को 6-4, 6-4 से हरायकर 2021 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के मेन राउंड में जगह बनाई क्रालिफायर्स के राउंड में स्लोवाकिया के एलेक्स मोल्कन को 6-4, 6-4 से हराया था।

टॉप सीड प्लेयर्स को मिलता है प्रायद - खिलाड़ी को टॉप सीड दी जाती है, उसे टूर्नामेंट में बेस्ट ड्रॉ (मैच) दिया जाता है, ताकि हाई सीडेड प्लेयर टूर्नामेंट के आखिरी तक पहुंचे। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में टॉप-3 में सीड प्लेयर में नोवाक जोकोविच पहले, कालोंस अल्कारेज दूसरे और डेनिपल मेडवेदेव तीसरे नंबर पर हैं।

छान्ड - क्रान्ति विकार साथ 10-24 के मध्य के साथ 10 क्रान्ति विकार को खाली बना दिया जाता है। ग्रैंड स्लैम जैसे विलेंडन, यूएस ओपन, फैंच ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन का क्रालिफायर्स के पहले दौर में फॉस के जेफ्री लैक्सनॉक्स को 6-3, 7-5 से हराया था। वहीं दूसरे राउंड में ऑस्ट्रेलियाई एडब्ल्यूड विंटर को 6-

3, 6-2 से हराया था। वहीं फाइनल राउंड में भारतीय दैनिक एसेसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद आयोजन चैम्पियनशिप का एलेक्स मोल्कन को खाली बना दिया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा।

रणजी ट्रॉफी दूसरा राउंड

मुंबई ने आंध को 10 विकेट से हराया, रोमांचक मुकाबले में 6 रन से हारा कर्नाटक



मुंबई - रणजी ट्रॉफी के इस सीजन के दूसरे राउंड के आखिरी दिन सोमवार को मुंबई ने आंध्र प्रदेश को 10,000 मीटर ट्रैक के 29-01-03 के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा जो इथेपोयिंग को लेटेनेंबेट गिडी के पास था। नोटिच ने सितंबर में विकेट के हाँ और 10 विकेट के शम्स मुलानी को एकमात्र टौड में 29-24 के समय के साथ 10 क्रिमी का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। नोटिच ने कहा, मैं बहुत खुश हूं इथानदारी से कहूं तो, मेरा स्पष्ट लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना था लेकिन 28-36

क्रिमी भी उम्मीद से पहुंचे हैं। जब मैं अंधे रास्ते में 14-13 देखा तो मैं डरी नहीं, इसने मुझे अंधे तक प्रयास जारी रखने के लिए बहुत प्रेरित किया। अब वह मार्च में विश्व प्रश्नेटिक्स ट्रॉफी चैम्पियनशिप बेलेंड 24 और फिर प्रेसिस 2024 ऑलिंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी, जहां अगस्त में एथलेटिक्स नंबर 1 खेल होगा।

अंध की ओर से नीतीश रेडी ने पांच

विकेट छाटके। जवाब में धबल कुलकर्णी

और शम्स मुलानी की धात्क गेंदबाजी के सामने आंध की पहली पारी सिर्फ 348 रन पर सिमट गई। धबल ने तीन और मुलानी ने छह विकेट लिया। इस मैच के बाद भारतीय बल्लेबाज ट्रेस्मस अंधर ने कहा- मैं वर्तमान के बारे में सोचता हूं मैंने बहु मैच पूरा कर लिया है, जो मुझे खेलने के लिए कहा गया था (अंध के खिलाफ रणजी

मैच)। मैं आया और मैं खेला इसलिए मैं जो कर रहा हूं उससे खुश हूं। इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज पर अंध बोले- मैं ज्यादा आगे के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

रोमांचक मुकाबले में युजरात जीता

- सिद्धार्थ देसाई के 42 रन पर 5 विकेट

की अग्रावाई में युजरात ने शनदार गेंदबाजी

प्रदर्शन करते हुए करनेवाले के खिलाफ रोमांचक 6 रन से जीत हासिल की। दिन की शुरुआत में 171/7 पर करने के बाद उमंग कुमार (57) और चिंतन गाजा (23) ने युजरात को अपने दूसरी पारी में 219 के साथ समाप्त की। जीत के लिए करनाटक को 110 रनों की जरूरत थी और एक समय रुके 50-0 होने के बाद करनाटक 6 रन बनाए। इन दोनों ने अंध के बारे में नहीं बोले- मैं बहु मैच पूरा कर लिया है, जो मुझे खेलने के लिए कहा गया था (अंध के खिलाफ रणजी

मैच)। मैं जीत हासिल कर रहा हूं।

दोनों टीमों की प्लेंगंग-11

वेस्टइंडीज - क्रैंग ब्लैथरेक (कपान), तेजनारायण चंद्रपॉल, कर्क मैकेजी, एपिलक एथनाज, केवम हॉज, जस्तिन प्रीव्स, जोश्या दा सिल्वा (विकेटकीपर), गुडकश मोती, अल्जारी जोसेफ, शमार जोसेफ और केमार रोच।

ऑस्ट्रेलिया - पैट कमिंस (कपान), स्टीव

स्पिथ, उस्मान खाजा, मार्नस लावुशेन,

कैमरन प्रीन, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, एलेवेस कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और जोश हेजलबुर्ड।

बैंगलुरु (एजेंसी)। श्रृंखला जीत चुकी भारतीय टीम ऑफगानिस्तान के खिलाफ बुधवार को तीसरे और आखिरी टी20 मैच में इस अंध को जीता था। उसने डेवेलपर ने नवंबर 2021 में इस अंध को जीता था।

पैट कमिंस ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 5-5 विकेट झटके थे। इससे पहले नवंबर में ट्रैविस हेड को यह अंध बोला गया।

जून में होने वाले विश्व कप से पहले यह भारत

का आखिरी टी20 मैच है। मोहाली और इंदौर में खेलने वाले दोनों पारियों में 5-5 विकेट झटके थे। इस प्रदर्शन के लिए उसने प्लेयर ऑफ द मैच अंध किया। वहीं तीसरे टेस्ट के बाद उसने प्लेयर ऑफ द मैच अंध किया।

नहीं चोहागा। दोनों मैचों में छह विकेट से मिली जीत में पहली ही गेंद से आक्रमण की भारत की रणनीति अहम रही। भारत ने पहले मैच में 159 रन का लक्ष्य 17.3 ओवर्स में और दूसरे में 173 सन का लक्ष्य 15.4 ओवर में बासिल किया।

इससे पहली टी20 में भारतीय टीम शुरू में साधारणी से खेलकर आखिरी ओवरों में हाथ खोलने की रणनीति अपनाई आई है। लेकिन अब बल्लेबाज पहली गेंद से खींच रहे हैं और शिवम दुबे तथा विराट कोहली ने इसकी बानी पोली पेश की। करीब 14 महीने बाद पहली टी20 खेल रहे कोहली ने इसकी बानी पोली पेश की। करीब 16 गेंदों में 16 गेंद में 29 रन बनाए। उसने अपनी टीम के लिए एक गेंद से खींच रहे हैं और शिवम दुबे तथा विराट कोहली ने इसकी बानी पोली पेश की।

अम तौर पर कोहली स्पिनरों के खिलाफ धूमधारी सामान किया और उनकी सात गेंदों में 18 रन बनाए।

आम तौर पर कोहली स्पिनरों के खिलाफ धूमधारी से खींच रहे हैं और शिवम दुबे तथा विराट कोहली ने इसकी बानी पोली पेश की।

जून में होने वाले विश्व कप से पहले यह भारत

का आखिरी टी20 मैच है। मोहाली और इंदौर में खेलने वाले दोनों पारियों में आक्रमण की भारतीय टीम में लोटे। उसके बाद उसने प्लेयर ऑफ द मैच अंध किया।

जून में होने वाले विश्व कप से पहले यह भारत

का आखिरी टी20 मैच है। मोहाली और इंदौर में खेलने वाले दोनों पारियों में आक्रमण की भारतीय टीम में लोटे। उसके बाद उसने प्लेयर ऑफ द मैच अंध किया।

जून में होने वाले विश्व कप से पहले यह भारत

का आखिरी टी20 मैच है। मोहाली और इंदौर में खेलने वाले दोनों पारियों में आक्रमण की भारतीय टीम में लोटे। उसके बाद उसने प्लेयर ऑफ द मैच अंध किया।

जून में होने वाले विश्व कप से पहले यह भारत

का आखिरी टी20 मैच है। मोहाली और इंदौर में खेलने वाले दोनों पारियों में आक्रमण की भारतीय टीम में लोटे। उसके बाद उसने प्लेयर ऑफ द मैच अंध किया।

जून में होने वाले विश्व कप से पहले यह भारत

